



अनंत ज्ञान

करवा चौथ की हार्दिक शुभकामनाएं



आज का तापमान	12.0 ल्ड	22.4 अधि
धर्मशाला	15.0 ल्ड	26.0 अधि
बाजार	81224.75	
सेवेस	24854.05	
सोना	77,667	गांडी 97,249

आरएनआई नं. HPHIN01099

कांगड़ा | शनिवार, 20 अक्टूबर 2024 | 4 कार्तिक, विक्रमी संवत् 2081 | वर्ष 1, अंक 304, कुल पृष्ठ 14 |

गूल्य : 5 लप्पे

follow us on:

8894521702

न्यूज शॉट्स

विजया राष्ट्रीय महिला

आयोग की अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विजया की गोपनीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के अध्यक्ष रूप में नियुक्त किया है।

अधिसचिवाना में कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग

अधिनियम, 1990

की धारा 3 के तहत की गई यह नियुक्ति

तीन साल की अवधि या विजया विशेष

के 65 वर्ष के होने (दोहे में जो भी पहले हो) तक के लिए होगी। विजया किशोर की नियुक्ति के अलावा सरकार ने एनसीडब्ल्यू के वर्ष सदस्य भी नियुक्त किये हैं। डॉ. अंचल मंजुमदार का आधिकारिक तौर पर तीन साल के कार्यकाल के लिए एनसीडब्ल्यू का सदस्य नियुक्त किया है।

वायनाड सीट से 23 को

नामांकन भेरेंगी प्रियंका

नई दिल्ली। कांगड़ा महासचिव प्रियंका

गांधी केरल की

वायनाड लोकसभा सीट से

चुनाव लड़ने जा रही है, जो राहुल

गांधी की छोड़ी

के बाद खाली

हुई है। प्रियंका गांधी वायनाड लोकसभा

सीट से अपना नामांकन 23 अक्टूबर को

दरियाल करेंगी। इंडियांड और महाराष्ट्र

विधानसभा चुनाव के साथ ही 14 राज्यों

की 48 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए तारीखों का ऐलान हो चुका है।

बिहार में एसायूवी ने छह

लोगों का रोदा, मौत

बांका। बिहार के बांका जिले में तेज

प्रपत्र एसायूवी ने छह लोगों का रोदा

दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। यह

दूर्धन्यास्त्रा फूल्हीमर उन्हाँ छोरे

में बांदरी चोराहे के पास शुरूवात रहती है।

वाहन की गति गहरी हो गई। दो लोगों

वे अस्पताल में इलाज के द्वारा दम तोड़

दिया। एसायूवी चालक तुरंत घटनास्थल

से भाग गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

वे इस हादसे पर शोक जताया है।

झारखण्ड में भाजपा ने 66

उम्मीदवार मैदान में उतारे

गंभीर। झारखण्ड में विधानसभा चुनाव को

लेकर भाजपा ने उन्हें 66 उम्मीदवारों

की पहली सूची जारी कर दी है। भाजपा

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को धनवार

से प्रत्याशी बनाया गया। वहीं, झारखण्ड

के पूर्वी शीर्षम और पूर्व जेप्रेम नेता

(अब भाजपा में) चंपानी सोरेन को

संसदीयका से उम्मीदवार बनाया है।

जबकि उनके बेटे बाबूलाल सोरेन को

घासीलाला सुशील सीट से मौका दिया

गया है। भाजपा ने पूर्व जेप्रेम नेता

(अब भाजपा में) लौबिन हेम्ब्राम को

बांधीयों विधानसभा सीट से मैदान में

उतारा है।

केदारनाथ धाम के तीन

नवंबर को होंगे कपाट बंद

देहरादून। देहरादून उत्तराखण्ड में चल रही

चार्यामाल यात्रा में श्वशुलुप्तों के पहुंचने

का सिलसिला जारी है। इस शीघ्र

उत्तराखण्ड सरकार के शिविर को चारों

धारों के कपाट बंद की तरीकों का ऐलान कर दिया। उत्तराखण्ड के पर्यटन

वर्षां में चारों धाम के कपाट बंद हो

जाएंगे।

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

शान्त प्रसाद दिमाकल को नियमित

प्रसाद के साथ अन्यायः शान्त -पैज 2

दियोतिस्तु दुनिया से भरे

प्रसाद के सैप्लै

पैज 6

कंगेश कियानों के फ्लोंगी धाम के कपाट बंद

स्टील लॉड़ -पैज 12

मणिपुर में उत्तराधियाँ ने किया

हमला, पिंग भड़की हिंसा -पैज 13

आज दुनिया को मिलेगा नया

वर्ल चैपियन -पैज 14

देवताओं का नजराना और बजंतरियों का भत्ता बढ़ा

मुख्यमंत्री सुक्ष्मा ने सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के समाप्ति पर दी सौगात

कमलश वर्मा, कुल्लू

मुख्यमंत्री सुखिंचि सिंह सुक्ष्मा ने

सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कुल्लू

दशहरा उत्सव के समाप्ति समाप्तों

की अध्यक्षता करते हुए कला केंद्र

से जनसभा को सर्वोच्चता किया।

सीएम ने देवी-देवताओं की

नजराना राशि में पांच और

दूरी भर्ते में 20-20% वृद्धि

नजराना में पांच और बजंतरियों के मानदेय और दूरी भर्ते में 20-20% वृद्धि

आपदा राहत कार्यों के लिए लोक निर्माण मंडल कुल्लू

को आठ करोड़ रुपए दिए

पिंडी में व्यास नदी के लेपट

और राइट बैंक को जोड़ने के

लिए पुल बनाने को 26 करोड़

देवी-देवता कारदार संघ ने

मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए

पांच लाख रुपए

विदा दशमी री तूसा

सभी बै बधाई

बिजली

महादेव रोपेके बैस स्टेशन की साइट

मुख्यमंत्री के कुल्लू जिले के पिंडी

में 273 करोड़ रुपए की लागत से

बजले वाले बोले जिला महादेव रोपेके

बैस स्टेशन की एक राज्य सरकार को

एक्सीयर टीवीरेस में बिल्डिंग

रखा गया है। उन्होंने बिल्डिंग को एक अंतर्राष्ट्रीय

स्टेशन का वास्तव तैयार करने के लिए

प्रत्यावर्त बाजारों से आये जाएंगे।

प्रत्यावर्त बाजारों की विद्युत किया गया है।

उन्होंने बिल्डिंग को एक अंतर्राष्ट्रीय

स्टेशन का वास्तव तैयार करने के लिए

प्रत्यावर्त बाजारों से आये जाएंगे।

उन्होंने बिल्डिंग को एक अंतर्राष्ट्रीय

स्टेशन का वास्तव तैयार करने के लिए

प्रत्यावर्त बाजारों से आये जाएंगे।

उन्होंने बिल्डिंग को एक अंतर्राष्ट्रीय

स्टेशन का वास्तव तैयार करने के लिए

प्रत्यावर्त बाजारों से आये जाएंगे।

कुल्लू के प्रसिद्ध ढालपुर मैदान में अंतर्राष्ट्रीय दशहरा उत्सव लंका दहन के साथ संपन्न



जिला कुल्लू के प्रसिद्ध ढालपुर मैदान में अंतर्राष्ट्रीय दशहरा उत्सव लंका दहन के साथ संपन्न हो गया। यहाँ पर दशहरा उत्सव में आए रौकड़ों देवी-देवता वापस अपने देवालयों की ओर लौट गए। ऐसे में एक साल के बाद फिर से देवी-देवताओं का भव्य मिलन होगा। भगवान रघुनाथ पालकी में सवार होकर अपने देवालय रघुनाथपुर के लिए रवाना हुए।



हिमाचली संस्कृति



हिमाचली परिधान



शिमला के जुन्डा में फ्लाइंग फेरिंटरल एवं हॉस्पिटलिटी एक्सपो के दौरान हिमाचली परिधान में कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं।



हेरिटेज पार्क



काली बाड़ी मंदिर

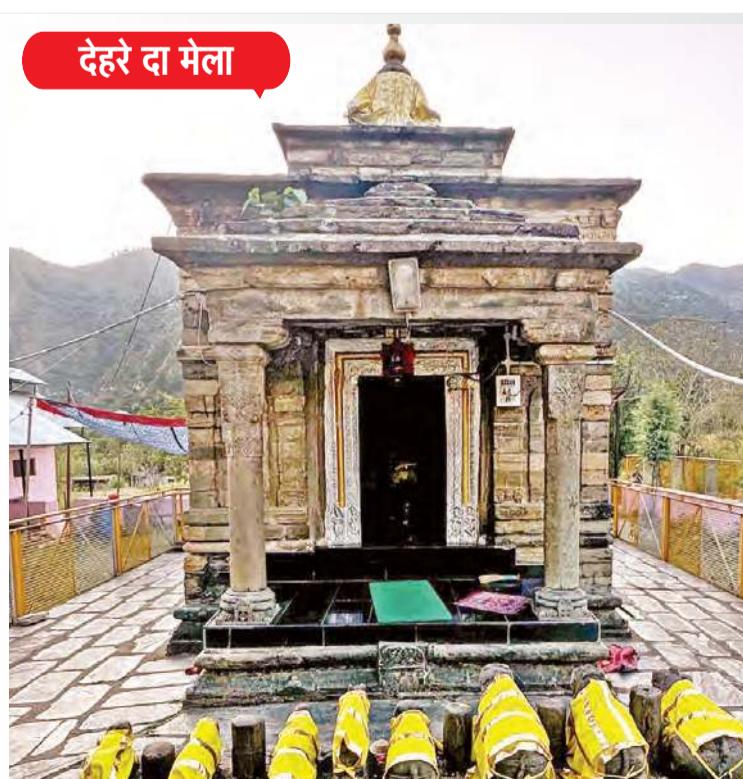
मड़ी के राजमहल में विराजमान बढ़दी महादेव की अन्द्रुन कलात्मक मूर्ति, जो अनायाशी ही अपनी ओर आकर्षित करती है।



जिला सोलन के अर्का में आयोजित दशहरे के दौरान रामलीला की झलकियाँ।



देहरे दा मेला



खबर अभी अभी
एवं
हिमाचल हाउस

Presents

“मेरे हमराफर”

2024

“आइए हम इस करवा चौथ को मिलकर बनाते हैं यादगार”

करवा चौथ वाले दिन अपनी जीवन संगीनी संग

हमें अपनी फोटो इस व्हाट्सएप नंबर पर **98052-67886** भेजें।

“हम बेस्ट 21 फोटोज को करेंगे सम्मानित”

अपनी फोटोग्राफ हमें आप 20 तारीख को रात 12:00 बजे

तक भेज सकते हैं।

हम इन सभी फोटोग्राफ्स को अपने चैनल पेज पर करेंगे प्रकाशित।

जिन्हें सबसे ज्यादा लाइक व शेयर मिलेगा उन

21 फोटोज को प्रशासनिक अधिकारी द्वारा किया जाएगा सम्मानित।

अधिक जानकारी के लिए आप

इस नंबर पर **98576-91009, 70186-36668** पर संपर्क कर सकते हैं।



Print

Digital



Print Media Partner अनंत ज्ञान

चंब के राजा राजसिंह के बेटे जीतसिंह ने 1794 से 1796 के मध्य उनकी यादगार में एक शिव मंदिर, देहरे दा मंदिर का निर्माण करवाया और उसी वर्ष से एक मंडे के आयोजन की परंपरा भी डाली। तभी से राजा राजसिंह के शतीती दिवस पर 20 अथवा 21 जून को उनकी स्मृति में देहरे दा मेला आयोजित होता है। राजा राजसिंह के खून से लथपथ पंजे का वह निशान आज भी उस शिला पर अंकित है और वही शिला स्मृति शिला एवं राजे दा देहरा के रूप में पूजनीय है। चंब के गद्दी समुदाय के लोग इस देहरे को अपनी कुलज के रूप में भी मानते व पूजते हैं।

न्यूज ब्रीफ

आखिरी सांस तक चीन से लोहा लेते रहे भारत के बहादुर सैनिक : कैप्टन जगदीश

न्यूज ब्रीफ

महिला पुलिस ने भी हाथों में लगवाई मेहंदी



भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) परवाणू शाखा के प्रमुख सुभाष चंद्र नायक ने 'अनंत ज्ञान' के चंडीगढ़ के ब्यूरो चीफ जगदीश शर्मा के साथ खास बातचीत करके लोगों को त्योहारी सोजन में धोखाधड़ी से सावधान रहने के बारे में जानकारी दी। पेश हो बातचीत के मुद्दों:-

बीआईएस के बारे में बताएं?
भारतीय मानक ब्यूरो भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है, जिसे बीआईएस अधिनियम 2016 के तहत स्थापित किया गया है। ये वस्तुओं के मानकीकरण अंकन और युगन्तरण के लिए विकास के सामग्र्यपूर्ण विकास के लिए जिम्मेदार है। बीआईएस को मूल रूप से भारतीय मानक संस्थान के रूप में 1947 के स्थापित किया गया था।

मानक क्या है और इसे कैसे तैयार किया जाता है?
मानक एक दस्तावेज है, जिसमें स्थापित दिशानिर्देश, नियम या मानदंड होते हैं, जो युगन्तराएं सुरक्षाएं प्रदर्शन या तकनीकी विनियोगों को परिवारित करते हैं। भारतीय मानक विभिन्न हितधारकों



तहत भारतीय मानकों द्वारा किए गए उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को प्रमाणित करते हैं। उत्पाद की हाँची की विवरण देती है।

विश्वसनीयता का प्रतीक बन गया है। कुछ उत्पादों के लिए अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन की आवश्यकता होती है, जिसका अर्थ है कि सरकारी युगन्तराना नियन्त्रण अद्वितीयों के तहत आईएसआई चिह्न के बिना उनकी विवरण देती है।

प्रश्न । बीआईएस की हॉलमार्किंग योजना क्या है?

उत्तर। हॉलमार्किंग आधूषण, कलाकृतियां, बूलियन या सिक्कों में सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं की अनुपातिक समझी या सटीक नियन्त्रण और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

23 जून, 2021 को भारत सरकार ने कलाकृतियों की 256 जिलों में सोने के आधूषणों पर अनिवार्य हॉलमार्किंग के लिए युगन्तराना नियन्त्रण आवश्यक जारी किया गया, जहां पर कम एक परखा और हॉलमार्किंग केंद्रों पर हॉलमार्किंग होती है। जो जाहीरी हॉलमार्क बाले आधूषण बेचना चाहते हैं, उन्हें बीआईएस से पंजीकृत प्राप्त करना होता है। इस ऐतिहासिक यात्रा के लिए युगन्तराना लाइसेंस आवश्यक है।

हां, आईपीफिशियल इंटीलिजेंस के क्षेत्र में मानक विकसित कर रहा है?

हां, आईपीफिशियल इंटीलिजेंस से हमरे वैनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। बीआईएस ने इसके महत्व को पहचाना है और एआई के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हुए कई मानक प्रकाशित किए हैं। इसके बाद लाइसेंसधारी अपने अनुरूप उत्पादों को आई एस आई एस अनुरूप उत्पाद नियन्त्रित करने के बदलाव हैं, जो विश्वास और उत्पाद नियन्त्रित करते हैं।

क्या बीआईएस आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस के संबंधित विवरण योजना और पंजीकरण योजना है?

हां, आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस से योजना और पंजीकरण योजना दोनों एक प्रतीक योजना हैं।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रेस वार्ता को मंबोधात बताया।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भारत यात्रा का नेतृत्व करते हुए चंडीगढ़ के कैम्ब्वाना गांव स्थित शंकराचार्य और अधिकारिक रिसाउंडिंग है।

जहां पर एक प्रतीक योजना होती है, जहां उन्होंने एक प्रतीक योजना होती है।

शंकराचार्य जी महाराज इस ऐतिहासिक यात्रा के माध्यम से भ

